मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 02 जनवरी 2018

जामिया मिल्लिया अपनी स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण करने वाला पहला विश्वविद्यालय

स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण करने के भारत सरकार के निर्देश के तहत जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः के 98 साल पुराने डा. एम ए अंसारी हेल्थ सेंटर का पूरी तरह डिजिटलीरकण कर दिया गया है। इससे अब यूनिवसर्टी के तक़रीबन 19 हज़ार छात्र और 10 हज़ार पूर्व एवं वर्तमान अध्यापक एवं कर्मचारी हेल्थ सेंटर के डॉक्टरों से सीधे जुड़ गए हैं। जेएमआई देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसकी चिकित्सा सेवाओं का पूर्ण डिजिटलीरकण हो गया है।

इस डिजिटलीकरण से जेएमआई के लगभग 29 हज़ार लोगों का सारा मेडिकल रिकार्ड एक बटन दबाते ही हेल्थ सेंटर के डाक्टरों के सामने आ जाएगा। इससे डाक्टरों को उनके ईलाज में बहुत मदद मिलेगी। इस रिकार्ड में जेएमआई से जुड़े सभी लोगों की अब तक की बीमारियां, उनके उपचार की पद्धतियां, उन्हें किस चीज़ और दवा से एलर्जी है, आदि का रिकार्ड सामने आ जाएगा। मरीज़ का पूरा रिकार्ड सामने आने से जहां उनका उपचार और बेहतर हो सकेगा, वहीं समय भी कम लगेगा।

सरकार की नेशनल हेल्थ पॉलिसी, 2017 में सभी प्राइवेट एवं सरकारी हेल्थ सेवाओं का डिजिटलीकरण करने की हिदायत दी गई है।

जेएमआई का हेल्थ सेंटर 1920 में विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही कार्यरत है जिसमें हर रोज़ औसतन 480 मरीज़ ईलाज कराने आते हैं। यह रात 10 बजे तक खुलता है और किसी दिन छुट्टी नहीं होती है।

विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर तलत अहमद ने इस डिजिटलीकरण का उद्घाटन करते हुए कहा कि सबसे खुशी की बात यह है कि इस डिजिटलीकरण प्रक्रिया को जेएमआई के ही छात्र आसिफ शाह ने तैयार किया है और उनकी कंपनी स्टेथो साफ्टवेयर ने इसके लिए एक भी पैसा नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि अंसारी हेल्थ सेंटर के डिजिटलीकरण से सभी छात्रों, अध्यापकों और कर्मचारियों का मेडिलक रिकार्ड पहले से ही मौजूद होने से ईलाज में काफी आसानी हो जाएगी।

एम ए अंसारी हेल्थ सेंटर के इंचार्ज एवं चीफ मेडिकल ऑफिसर डा इरशाद हुसैन नक़वी ने बताया कि आसिफ शाह की कंपनी ने ऐसा सॉफ्टवेयर बनाया है जिसमें हर मर्ज़, उनके उपचार की पद्धति, बीमारियों के ईलाज की उपयुक्त दवाओं के नाम, उपचार के क्षेत्र में हो रहे नए अनुसंधानों आदि की जानकारियां भी उपलब्ध है।

आसिफ शाह ने बताया कि इस डिजिटलीकरण से हेल्थ सेंटर के डाक्टरों के अलावा जेएमआई के छात्रों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा। ये सारी जानकारियां उनके कंप्यूटर या मोबाइल पर भी उपलब्ध होंगी। कहीं और ईलाज कराने पर वे अपने स्वास्थ्य संबंधी पूरा रिकार्ड वहां दिखा सकेंगे। उन्होंने कहा कि जिस विश्वविद्यालय ने उन्हें इल्म दिया, उसके लिए यह सॉफ्टवेयर बना कर उन्हें बहुत ज्यादा सुकून हो रहा है।

प्रोफेसर साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर